आर.एन.आई. नं.- MPHIN/2015/66655

साप्ताहिक समाचार पत्र

त्रिकाल दृष्टि

सच का दर्पण

वर्ष-2 अंक-25, भोपाल, सोमवार, 17 जुलाई से 23 जुलाई 2017 पृष्ठ- 8 मूल्य : 3.00 रूपये www.trikaldrishti.com

संक्षिप्त समाचार

मिनी स्कर्ट पहनने से वांटेड हुई युवती, सऊदी अरब में हंगामा

दुबई। मिनी स्कर्ट व क्रॉप टॉप पहने सऊदी युवती के एक वीडियो से सऊदी अरब में सनसनी फैल गयी है। वायरल होने वाले इस वीडियो को युवती ने खुद ही पोस्ट किया है। इसके बाद कुछ सऊदी जहां उसकी गिरफ्तारी की मांग कर रहे वहीं कुछ उसके बचाव में हैं। स्थानीय न्यूज वेबसाइट ने सोमवार को बताया की रूढ़िवादी इस्लामिक देशों में इस युवती के खिलाफ संभावित कार्रवाई पर विचार किया जा रहा है जिसने कपड़े के लिए देश के कायदे कानून का उल्लंघन किया है। सऊदी में महिलाओं को सार्वजनिक तौर पर अबाया के नाम से जाना जाने वाला लंबा और ढीला वस्त्र पहनना होता है। साथ ही काले कपड़े से अपने बाल और चेहरे को ढकना होता है हालांकि कुछ विशेष लोगों के लिए इसमें रियायत है। यह वीडियो पहले स्नैपचैट पर शेयर किया गया जिसमें उसे रियाध के उशायकिर में सुनसान ऐतिहासिक किला के भीतर टहलते हुए दिखाया गया। माना जाता है कि यह सऊदी अरब का सबसे रूढ़िवादी इलाका है। 18वीं सदी में इसी जगह पर सुन्नी वहाबी इस्लाम के प्रवर्तक पैदा हुए थे। सऊदी अरब का राज परिवार और धार्मिक संगठन सुन्नी इस्लाम के सबसे कट्टर माने जाने वाले वहाबी पंथ को मानते हैं। ट्वीटर पर एक युवती की गिरफ्तारी की मांग कर रहा वहीं दूसरा ड्रेस की स्वतंत्रता का हवाला दे इसे अपराध नहीं बता रहा है।

कोर्ट ने मानी तोते की गवाही और बीवी को मिली पति के कत्ल की सजा

वॉशिंगटन। अमेरिका में हत्या के मामले में एक अनोखे गवाह ने ऐसी बात बताई, जिससे मामला आसानी से खुल गया। अफ्रीकन ग्रे पैरेट की गवाही के आधार पर कोर्ट ने पति की हत्या के लिए पत्नी को दोषी ठहराते हुए फैसला सुनाया। तोते ने महिला और पुरुष की आवाज में बारी-बारी से बोलकर दोनों के बीच हुए आखिरी संवाद को कोर्ट में बताया। हालांकि, शुरूआत में कोर्ट में यह बात उठ रही थी कि क्या तोते बड की गवाही को सही माना जाए या नहीं। मगर, जिस तरह उसने पति-पत्नी के बीच हुए आखिरी संवाद को महिला और पुरुष की आवाज में सुनाया, उसे देखकर कोर्ट इस बात पर राजी हो गई कि पत्नी ने ही पति पर गोली चलाई थी। मिशीगन के सैंड लेक स्थित एक घर में ग्लेन्ना दुरम ने साल 2015 में अपने पालतू तोते के सामने पति मार्टिन पर गोली चलाई थी। ग्लेन्ना ने मार्टिन को पांच गोलियां मारने के बाद खुद को भी गोली मारकर आत्महत्या की कोशिश की थी। हालांकि, वह बच गई। इस अपराध के दौरान घर में सिर्फ बड ही मौजूद था।

बड ने बाद में घरवालों को मार्टिन की आखिरी बात को बोलकर सुनाया था। कोर्ट में सुनवाई के दौरान मार्टिन की पहली पत्नी क्रिस्टिना केलर ने कोर्ट को तोते की बात वीडियो में रिकॉर्ड कर दिखाया। उसने जूरी से कहा कि जब हम घर पहुंचे तो तोते ने मार्टिन की आवाज में बार-बार कहा, 'गोली मत चलाओ'। इस आधार पर जूरी ने पाया कि ग्लेन्ना हत्या की दोषी हैं। उसे अगले महीने सजा सुनाई जाएगी। हालांकि, तोते को कोर्ट में सुनवाई के दौरान नहीं लाया गया। वकील ने गवाह के तौर पर तोते को पेश करने की अनुमति कोर्ट से मांगी थी, लेकिन इसे खारिज कर दिया गया। फैसले के दौरान कोर्ट में मौजूद मार्टिन की मां लिलियन ने कहा कि कोर्ट में ग्लेन्ना को देखकर बहुत दुख हो रहा था कि दोषी ठहराई जाने के बाद भी उसे कोई पछतावा नहीं था। ग्लेन्ना को इस मामले में अगस्त में उम्र कैद की सजा हो सकती है।

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के शपथ ग्रहण से पहले उनकी टीम बननी शुरू

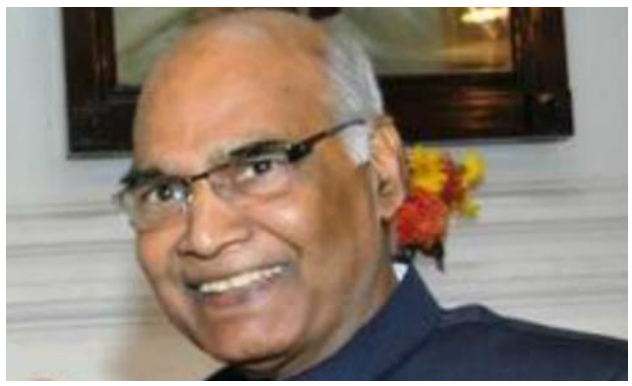

नई दिल्ली। नए राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद के देश के सर्वोच्च संवैधानिक प्रमुख के रूप में कमान संभालने से पहले ही उनकी नौकरशाही की टीम बनने लगी है।

इस क्रम में कैबिनेट की नियुक्ति मामलों की समिति ने नए राष्ट्रपति के लिए तीन शीर्ष अधिकारियों की नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। वरिष्ठ आइएएस अफसर संजय कोठारी को नए राष्ट्रपति का सचिव नियुक्त किया गया है।

वरिष्ठ पत्रकार और स्तंभकार अशोक मलिक को नए राष्ट्रपति का प्रेस सचिव नियुक्त किया गया है। गुजरात कैडर के भारतीय वन सेवा के अधिकारी भरत लाल को राष्ट्रपति का संयुक्त सचिव बनाया गया है।

रामनाथ कोविंद 25 जुलाई को दोपहर 12.15 बजे संसद के केंद्रीय कक्ष में राष्ट्रपति पद की शपथ लेंगे। इन शीर्ष अधिकारियों की टीम भी उसी दिन से राष्ट्रपति भवन में अपनी जिम्मेदारी संभाल लेगी।

हरियाणा कैडर के 1978 बैच के रिटायर आइएएस अधिकारी संजय कोठारी इस समय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम बोर्ड के अध्यक्ष हैं।

राष्ट्रपति भवन में कोठारी कोविंद के सचिव के तौर पर ओमिता पॉल की जगह लेंगे, जो राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी की सचिव हैं। अशोक मलिक की राष्ट्रपति के प्रेस सचिव के रूप में नियुक्ति भी कोई आश्चर्यजनक नहीं है।

वह लंबे समय से अपने लेखों के जरिये संघ-भाजपा के वैचारिक धरातल को मजबूत करते रहे हैं। राष्ट्रपति की टीम में प्रेस सचिव की काफी अहम भूमिका होती है।

शायद इसीलिए सरकार ने कोविंद के कमान संभालने से पहले ही इन अहम पदों पर नियुक्ति कर दी है। गुजरात कैडर के 1988 बैच के वन सेवा के अधिकारी भरत लाल इस समय दिल्ली में गुजरात के रेजिडेंट कमिश्नर के रूप में तैनात हैं।

राष्ट्रपति भवन में अब वे कोविंद की शीर्ष अधिकारियों की टीम का हिस्सा होंगे। नियुक्ति समिति ने फिलहाल दो साल के लिए इन तीनों की नियुक्ति को मंजूरी दी है।

मायावती का राज्यसभा से इस्तीफा, निशाने पर बीजेपी

नई दिल्ली। यूपी विधानसभा में करारी शिकस्त के महीनों बाद मंगलवार को एक बार फिर मायावती खबरों में बनीं। मंगलवार को मायावती ने राज्यसभा की चलती कार्यवाही के बीच इस्तीफा देने की घोषणा कर दी। मायावती ने आरोप लगाया कि उन्हें दलितों पर अत्याचार के मुद्दे पर बोलने नहीं दिया जा रहा है। मायावती आक्रामक भाव-भंगिमा दिखाते हुए कार्यवाही को बीच में ही छोड़ कर निकल गईं। बाद में माया ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर राज्यसभा के सभापति को सौंपे गए तीन पेज के इस्तीफे का जिक्र किया और बीजेपी पर जमकर निशाना साधा। मायावती ने अपना पत्र पढ़ते हुए कहा कि बीएसपी ने दलितों पर हो रहे अत्याचार खासकर यूपी के सहारनपुर में हुए दलित उत्पीड़न पर कार्यवाही रोक चर्चा की मांग की थी। रूल 267 के मुताबिक पार्टी ने नोटिस दिया था। मायावती ने कहा कि सुबह 11 बजे राज्यसभा की कार्यवाही शुरू होते ही उन्होंने उपसभापति को इसकी याद दिलाई।

मायावती ने बताया कि उपसभापति ने नोटिस पर केवल 3 मिनट बोलने की अनुमति दी। बीएसपी सुप्रीमो के मुताबिक उन्होंने उसी वक्त सदन को बताया कि यह मामला ऐसा नहीं है कि 3 मिनट में बात रखी जा सके। ऐसा कोई नियम भी नहीं है कि स्थगन नोटिस के बाद 3 मिनट का ही समय दिया जाए। मायावती ने अपने इस्तीफे वाले पत्र में लिखा कि ज्यों ही उन्होंने बोलना शुरू किया, सत्ता पक्ष के लोग हंगामा मचाने लगे। बीजेपी सांसदों के अलावा उनके मंत्रिगण भी शोर-शराबे में जुट गए। मायावती ने कहा कि हंगामे के बावजूद उन्होंने बीजेपी की सरकार में जातिवादी, सांप्रदायिक और पूंजीवादी मानसिकता के खिलाफ बोलना जारी रखा। मायावती ने कहा कि बीजेपी राज में गरीबों, दलितों, पिछड़ों, मुस्लिम व अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों, मजदूरों, किसानों व मध्य वर्ग के लोगों का शोषण हो रहा है।

चुनाव बांड व्यवस्था पर काम कर रही है सरकार, अरूण जेटली ने कहा

नई दिल्ली। वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा है कि सरकार चुनाव बांड व्यवस्था पर सक्रियता से काम कर रही है। लेकिन राजनीतिक चंदे की पारदर्शिता को लेकर किसी भी दल ने अब तक सुझाव नहीं दिया है। जेटली ने कहा कि उन्होंने राजनीतिक दलों से संसद में मौखिक रूप से और लिखकर भी इस संबंध में बेहतर सुझाव मांगे थे। आज तक कोई भी दल इसके लिए आगे नहीं आया क्योंकि वे मौजूदा व्यवस्था से संतुष्ट हैं। उन्होंने कहा कि पिछले 70 वर्षों से भारतीय लोकतंत्र को अज्ञात स्रोत से चंदे मिलते आ रहे हैं। जनप्रतिनिधि, सरकार, राजनीतिक दल और यहां तक कि चुनाव आयोग भी इस पर रोक लगाने में विफल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राजनीतिक चंदे में पारदर्शिता लाने के लिए वित्त मंत्री ने इस साल के बजट में राजनीतिक दलों को मिलने वाले गुमनाम चंदे 2,000 रुपये से अधिक नहीं होने का प्रस्ताव किया था और चुनाव बांड पेश किया था। जेटली ने कहा कि पिछले बजट में उन्होंने समाधान सुझाया था और वे इस पर सक्रियता के काम काम कर रहे हैं। वित्त मंत्री शनिवार को यहां एक कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

कुंबले से हुए विवाद पर इयान चैपल ने विराट का साथ दिया

नई दिल्ली। पूर्व ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज इयान चैपल ने भारतीय टीम के पूर्व कोच अनिल कुंबले के साथ विवाद में कप्तान विराट कोहली का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि अगर कप्तान पर कोच थोपा जाता है तो वह (कोच) ऐसा व्यक्ति होना चाहिए जिसके साथ कप्तान सहज महसूस करे। इस विवाद के चलते कुंबले को अपना पद गंवाना पड़ा था। चैपल ने ईएसपीएनक्रिकइंफो के लिए अपने कॉलम में किसी भी टीम में कोच की भूमिका को बहुत महत्वपूर्ण नहीं माना। उन्होंने लिखा, कोहली के अनिल कुंबले के साथ वैसे मानवीय रिश्ते नहीं रहे जैसे कि रवि शास्त्री के साथ थे जब वह क्रिकेट निदेशक थे। अब जबकि भारत ने शास्त्री को कोच नियुक्त कर दिया है तो सवाल पैदा होता है कि किसी चीज को क्यों बदलना चाहिए, जबकि उसमें बदलाव की जरूरत नहीं है। मालूम हो कि भारतीय टीम के तत्कालीन कोच कुंबले ने पिछले महीने चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अपने पद से इस्तीफा दे दिया था।

समाजवादी पार्टी की बैठक में नेता को आया हार्ट अटैक, मौत

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव की मौजूदगी में चल रही पार्टी की बैठक के दौरान आज एक नेता की तबीयत खराब हो गई। उमा शंकर चौधरी को समाजवादी पार्टी के कार्यालय में चल रही बैठक में हार्ट अटैक हो गया। उनको आनन-फानन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी (सिविल) अस्पताल पहुंचाया गया। जहां पर उमा शंकर चौधरी का निधन हो गया। नेता उमा शंकर चौधरी की हार्ट अटैक पड़ने से 1:50 पर सिविल अस्पताल में हुई मौत। आज प्रदेश के समाजवादी पार्टी के दफ्तर में सपा की मंथन बैठक चल रही थी। इसी दौरान सपा के नेता उमा शंकर चौधरी को दिल का दौरा पड़ा। जहां उन्हें तत्काल इलाज के लिए सिविल अस्पताल लाया गया. जहां उन्होंने अपनी आखिरी सांसें ली। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने उनके निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। उन्होंने उमा शंकर चौधरी के निधन पर शोक जताने के साथ ही कहा कि यह पार्टी के लिए बड़ी क्षति है। अहमद हसन,राजेन्द्र चौधरी समेत कई पूर्व मंत्री भी अस्पताल पहुंचे।

सपा नेता उमाशंकर चौधरी का शव पार्टी पार्टी दफ्तर लाया गया। जहां पार्टी के कई सीनियर नेताओं ने चौधरी को श्रद्धांजलि देने पहुंचे। गौरतलब है कि विधानसभा चुनाव में मिली हार के बाद आज अखिलेश यादव की अध्यक्षता में प्रस्तावित बैठक में सदस्यता अभियान, बूथ, तहसील, जिला इकाई के चुनाव पर मंथन कर रहे थे। उनके निधन की सूचना पर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव भी सिविल अस्पताल पहुंच गए।

मीटर रीडिंग की व्यवस्था बदली, महीना खत्म होने से पहले निकली बिजली बिल की तारीख

इस बार करीब 140 करोड़ रुपए कंपनी के खजाने में जमा होने की उम्मीद है

इंदौर। बिजली कंपनी में रीडिंग और बिल तैयार करने का सिस्टम बदलने से शहर के सभी जोन में जून का बिल भरने की आखिरी तारीख शनिवार को बीत गई। बदले सिस्टम से कंपनी को रिकॉर्ड वसूली की उम्मीद है।

बीते महीने ही मीटर रीडर्स का अमला बदलते हुए अधीक्षण यंत्री ने हर जोन को महीने के शुरुआती सप्ताह में रीडिंग पूरी कर 10 से 15 तारीख के बीच बिल तैयार करने का काम पूरा करने का निर्देश दिया गया था। नए नियम के बाद जल्द रीडिंग चढ़ाकर बिल बनाकर बांटे गए। 22 जुलाई तक बिना पेनल्टी बिल जमा करने की तारीख निर्धारित की गई थी। अधीक्षण यंत्री सुब्रतो रॉय के मुताबिक अब तक 80 से 85 करोड़ का राजस्व आ चुका है। महीना खत्म होने के पहले कलेक्शन पूरा होने से न केवल राजस्व का सही हिसाब लगाने में मदद मिल रही है, बल्कि अब वसूली अभियान भी चलाया जा सकेगा। इससे बिलिंग के महीने में ही पूरा राजस्व कंपनी के खाते में जमा होगा। जून में खपत भी अच्छी रही। समय पर बिलिंग के बाद अब वसूली अभियान में कनेक्शन काटे जाएंगे। इस बार करीब 140 करोड़ रुपए कंपनी के खजाने में जमा होने की उम्मीद है। यह राशि अब तक किसी भी एक महीने में जुटाया सबसे अधिक राजस्व होगा। उपभोक्ता को भी बिलिंग के नए सिस्टम से लाभ मिलेगा। एक ही अंतराल और तय समय पर रीडिंग होने से हर बार उनके स्लैब नहीं बदलेंगे। रीडिंग में थम नहीं रही गड़बड़ी : इधर, व्यवस्था सुधारने के बावजूद रीडिंग और बिलिंग में गड़बड़ी की शिकायत कम नहीं हो रही है । न्यू पलासिया के उपभोक्ता सरोज गजानंद नारखेड़े को मार्च-अप्रैल में कंपनी ने 1.10 लाख रुपए का बिल दे दिया। इसके बाद से लगातार गलत बिल देने का सिलसिला बरकरार है। बिल में छह अंकों में रीडिंग लिखी जा रही है, जबकि कंपनी के पोर्टल पर मीटर के फोटो में रीडिंग पांच अंकों में है। उपभोक्ता के मुताबिक शिकायत करने पर कंपनी ने 35 हजार रुपए जमा करने को कहा। इसके बाद बिल तो ठीक नहीं हुआ, बल्कि अगले महीने 65 हजार पुराना बकाया जोड़कर बिल भेज दिया गया। एक महीने जब घर में ताला लगाकर सब विदेश गए तो भी 15 हजार का बिल भेज गया। अधिकारी गड़बड़ी स्वीकार कर रहे हैं, लेकिन सुधार नहीं रहे।

हार्दिक पटेल बोले सरकार को जो करना है कर ले, मैं किसानों की लड़ाई लड़ूंगा

इंदौर। किसान क्रांति सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष हार्दिक पटेल दो दिनी मध्यप्रदेश दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने जहां शुक्रवार को इंदौर के प्रसिद्ध खजराना गणेश मंदिर के दर्शन किए तो वही शनिवार को इंदौर के प्रेस क्लब में पत्रकारों से चर्चा की। गुजरात के पाटीदार आंदोलन से देश के सामने आए हार्दिक पटेल ने इंदौर प्रेस क्लब के प्रेस से मिलिए कार्यक्रम में किसानों के मुद्दों पर अपनी बातें रखी। इस दौरान हार्दिक ने किसानों का कर्ज माफ करने, उनपर लगाए गए गलत मुकदमों को हटाने और मध्यप्रदेश में आगामी समय में 15 से ज्यादा रैलियां और सभाएं करने की बात कही। आगे बात करते हुए पटेल ने कहा कि चुनाव लड़ना उनकी प्राथमिकता नहीं है। चेहरा बनूंगा तो पूरे देश का बनूंगा। केवल कुछ प्रदेशों का नहीं। राजनीति में अभी नहीं सोचा लेकिन भविष्य में निर्णय लेंगे। आपको बता दें कि शनिवार को ही किसान क्रांति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पटेल के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के शाजापुर में किसान महापंचायत का आयोजन होने जा रहा है। कार्यक्रम में पटेल बतौर मुख्य वक्ता शामिल होंगे। इस पूरे कार्यक्रम के दौरान उनके साथ राष्ट्रीय महासचिव अखिलेश कटियार भी मौजूद रहे। पटेल ने भाजपा महासचिव कैलाश विजयवर्गीय पर भी निशाना साधते हुए कहा की मैं आया ही नहीं और विजयवर्गीय ने मेरा नाम लेकर झूठ फैलाया। हार्दिक ने आईएएस राजेश राजोरा पर भी आरोप लगाते हुए कहा कि महा भ्रष्ट अफसर को जांच सौंप रखी है तो किसानों को न्याय कहां से मिलेगा। पटेल ने कहा कि मैं इस मुद्दे को लेकर चुप नहीं बैठूंगा।

परीक्षा मां की, 'पास' हुआ कॉलेज प्रबंधन

इंदौर। यूनिवर्सिटी द्वारा गुरुवार को आयोजित परीक्षा में एक निजी कॉलेज के प्राचार्य ने इनसानियत की मिसाल पेश की। दरअसल, इस कॉलेज में एक महिला गुरुवार को बीए मॉस कम्युनिकेशन (फाइनल ईयर) की परीक्षा देने पहुंची थी। उसके दो माह के शिशु की देखभाल की जिम्मेदारी उसी पर थी, ऐसे में परीक्षा के दौरान भी उसे साथ लाना पड़ा। परीक्षा शुरू होने से पहले शिशु के पिता किसी कारणवश वह नहीं पहुंच सके। परीक्षा की चिंता में महिला को तनाव में देख प्राचार्य ने तुरंत बच्चे को संभालने की व्यवस्था की। उधर, मां ने पूरे तीन घंटे सुकून से परीक्षा दी और इधर बच्चा एक से दूसरी गोद में होता हुआ मुस्कराता रहा।

घबराई चीनी मोबाइल कंपनियां, कर्मचारियों की यूनिफॉर्म पर लगाई रोक

इंदौर। डोकलाम विवाद के बाद शुरू हुए चीन के विरोध से शहर में काम कर रही चीनी मोबाइल कंपनियां वीवो और ओपो भी घबरा गई हैं। गुरुवार को साइन बोर्ड में तोड़फोड़ के बाद दोनों कंपनियों ने अपने ब्रांड के प्रचार की गतिविधियां बंद कर दी हैं। साथ ही कर्मचारियों के यूनिफॉर्म (टीशर्ट) पहनने पर भी रोक लगा दी है। निर्धारित रंगों की इन टीशर्ट पर कंपनी का नाम लिखा होता है। कर्मचारियों से सप्ताहभर तक सादी ड्रेस में ड्यूटी पर आने को कहा है। ये आदेश जेल रोड के मोबाइल मार्केट से लेकर कंपनी के एक्सक्लूसिव शोरूम्स और तमाम काउंटरों पर लागू कर दिया गया है। कंपनियों ने सेल्स और मार्केटिंग वाले कर्मचारियों को बैज और आइडेंटी कार्ड लगाने से भी मना कर दिया है। जेल रोड के मोबाइल विक्रेता रवि कदम के मुताबिक हर बड़ी दुकान पर कंपनियों के सेल्स प्रमोटर्स नियुक्त हैं। इनके लिए नियम है कि इन्हें कंपनी की निर्धारित टीशर्ट पर बैज लगाकर ही ड्यूटी पर आना है।

पांच गुंडों के तीन मकान और सात दुकानों के अतिक्रमण तोड़े

इंदौर। पुलिस प्रशासन के सहयोग से नगर निगम का गुंडों की अवैध संपतियों के खिलाफ अभियान जारी है। शुक्रवार को एरोड्रम थाना क्षेत्र में तीन अवैध मकान और सात दुकानों के अतिक्रमण हटाए गए। नगीन नगर, धर्मराज कॉलोनी और परिहार कॉलोनी में मकानों, जबकि कालानी नगर चौराहा से दुकानों के अतिक्रमण हटाए गए। कार्रवाई के दौरान एक जगह विरोध भी हुआ। कालानी नगर चौराहे के पास संपत अपार्टमेंट के आसपास गुंडे सचिन और राहुल राठौर ने अतिक्रमण कर रखा था। अपार्टमेंट के आसपास उनकी सात दुकानें हैं, जिनसे चौराहे का लेफ्ट टर्न संकरा हो गया था। यहां अकसर ट्रैफिक प्रभावित होता था। निगम उपायुक्त महेंद्रसिंह चौहान, महेश शर्मा, सहायक रिमूवल अधिकारी वीरेंद्र उपाध्याय और बबलू कल्याणे सहित रिमूवल टीम ने वहां 15-20 फीट तक का अतिक्रमण तोड़ा। उक्त दुकानों में गैरेज, होटल, डेयरी चल रही थी। निगम अफसरों ने बताया आसपास के लोग समस्या से परेशान थे, लेकिन डर के कारण शिकायत नहीं करते थे। कार्रवाई के दौरान टिन शेड, शटर और चबूतरे हटाए गए। अनुमान के मुताबिक गुंडों को करीब पांच लाख की संपति का नुकसान हुआ है। नगीन नगर में ढहाया 10 लाख का मकान: नगीन नगर में दिनेश गोस्वामी ने भूतल पर 15 बाय 50 का अवैध मकान बना लिया था। करीब 10 लाख का यह मकान भी अमले ने तोड़ दिया। धर्मराज कॉलोनी में जगदीश उर्फ जग्गा ने 15 बाय 20 आकार का जी प्लस 1 श्रेणी का मकान (अनुमानित कीमत पांच लाख) बना रखा था।

ऊपरी कमाई के लिए भवन स्वामी को धमका रहे थे

इंदौर। ऊपरी कमाई के लिए एक भवन स्वामी को पांच गुना पेनल्टी लगाने की धमकी देने वाले जोन छह के प्रभारी सहायक राजस्व अधिकारी (एआरओ) और बिल कलेक्टर को निगमायुक्त ने निलंबित कर दिया। मामले में उपायुक्त प्रतापसिंह सोलंकी को कारण बताओ नोटिस दिया गया है।

कार्रवाई प्रभारी एआरओ मुकेश पटेरिया और वार्ड-24 के बिल कलेक्टर विनोद रावेरकर पर की गई। वार्ड के 25, नया गोकुलदास कैंपस (शीलनाथ कैंप) स्थित भवन का दूसरा तल अप्रैल में तैयार हुआ और भवन मालिक ने दोनों कर्मचारियों से उसका संपति कर जमा करने का आग्रह किया। पहले तो दोनों टालमटोल करते रहे। फिर घर की नपती कर अवैध वसूली के लिए भवन स्वामी को दूसरी मंजिल के देय संपति कर में पांच गुना पेनल्टी जोड़कर राशि जमा करने का दबाव बनाने लगे। निगमायुक्त मनीष सिंह को मामले की जानकारी मिली तो उन्होंने उपायुक्त लता अग्रवाल को जांच सौंपी।

खबरें

ऑटो डीसीआर सेल से कोई भी आर्किटेक्ट अथवा बीओ-बीआई केवल ई-मेल के माध्यम से बात कर सकेगा

नक्शे के आवेदन उलझाकर रखने वाले बाबुओं को ढूंढेगा निगम

इंदौर। नगर निगम ऑटो डीसीआर सेल से जुड़े ऐसे बाबुओं पर सख्ती करेगा जो बिल्डिंग परमिशन के लिए आने वाले आवेदन अनावश्यक कारणों से उलझाकर रखते हैं। ऐसे बाबुओं को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। ऑटो डीसीआर सेल के कर्मियों को काम शुरू होने से खत्म होने तक नोडल अधिकारी के पास अपने मोबाइल फोन जमा कराना होंगे। सेल में आयुक्त, अपर आयुक्त, शाखा प्रभारी, एमआईसी सदस्य और मुख्य नगर निवेशक को छोड़ निगम का कोई अधिकारी-कर्मचारी या अशासकीय व्यक्ति प्रवेश नहीं कर सकेगा। आदेश का पालन सुनिश्चित कराने के लिए बाहर बोर्ड लगाया जाएगा। उक्त आदेश जारी कर निगमायुक्त मनीष सिंह ने मुख्य नगर निवेशक विष्णु खरे को ऑटो डीसीआर के नोडल अधिकारी का दायित्व भी सौंपा। अब तक यह काम सिटी इंजीनियर महेश शर्मा देख रहे थे। खरे आने वाले आर्किटेक्ट आवेदकों पर प्रभावी नियंत्रण के साथ रोजाना यह भी देखेंगे कि बीओ-बीआई किस प्रकार से काम कर रहे हैं या किस तरह की आपत्तियां लगाई जा रही हैं। किसी गड़बड़ी की जानकारी मिलने पर वे आयुक्त को उसकी जानकारी देंगे।

केवल ई-मेल से हो सकेगी बात : निगमायुक्त ने आदेश में कहा है कि ऑटो डीसीआर सेल से कोई भी आर्किटेक्ट अथवा बीओ-बीआई केवल ई-मेल के माध्यम से बात कर सकेगा। सेल के प्रभारी नवनीत पाटिल होंगे और वे फोन पर कोई भी अनुरोध स्वीकार नहीं करेंगे। इसके लिए सेल का एक अलग ई-मेल सभी संबंधितों को दिया गया है। नोडल अधिकारी को सात दिन ऐसे अशासकीय व्यक्तियों को चिन्हित कर उनकी सूची बनाने के निर्देश दिए गए हैं, जिनका बिल्डिंग परमिशन शाखा में आना-जाना है। ऐसे आर्किटेक्ट का रजिस्ट्रेशन रद्द किया जाएगा, जिन्होंने गलत बिल्डिंग परमिशन का आवेदन पेश किया है। इसके लिए सालभर में ऑनलाइन आए आवेदनों की सूची तैयार की जाएगी।

भौतिक नोटिस होंगे बंद, सॉफ्टवेयर ही कम्प्यूटर पर देगा नोटिस : आने वाले समय में भौतिक रूप से दिए जाने वाले नोटिस की प्रक्रिया को निगम बंद करेगा। नोटिस अब ऑटो डीसीआर सॉफ्टवेयर से ही निकलेंगे। इसके लिए ऑटो डीसीआर संस्था से बात कर सात दिन में सॉफ्टवेयर में जरूरी बदलाव किए जाएंगे। यह व्यवस्था होने से बीओ-बीआई अपने स्तर पर किसी को नोटिस जारी होने की सूचना नोडल अधिकारी को दे देंगे जबकि जिसे नोटिस दिया गया है, वह ऑनलाइन इसे देख सकेगा।

अपने जीवन के बॉस तो आप खुद हो

इंदौर, नईदुनिया रिपोर्टर। आपकी लाइफ में कई तरह के चैलेंज आएंगे। उन चैलेंज को स्वीकार कर उनका मुकाबला करने की क्षमता कम ही लोगों में होती है। यह चैलेंज आपको लाइफ में स्ट्रांग बनाते हैं। आप खुद ही अपने सच्चे दोस्त हो। दूसरे तो सिर्फ आपको सलाह देने और गाइड करने का काम कर सकते हैं। अपने जीवन के बॉस तो आप खुद ही हो। 'बी बॉस ऑफ योर लाइफ' यह बात शुक्रवार को कारगिल युद्ध में अपना एक पैर गंवाने के बाद देश के पहले ब्लेड-रनर का खिताब हासिल करने वाले मेजर डीपी सिंह ने कही। वह शहर में आयोजित मॉडल यूनाइटेड नेशन के दूसरे दिन स्टूडेंट्स को सम्बोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अपनी लाइफ की स्टोरी को शेयर किया, बल्कि स्टूडेंट्स को चैलेंजेस फेस करने के तरीके भी बताए।

सिर्फ लकी लोगों को मिलता है चैलेंज फेस करने का मौका उन्होंने कहा कि जिन्हें लाइफ में चैलेंज का सामना करना पड़ता है, वह लकी होते हैं। यह चैलेंजेस लाइफ के रियल लेसन हैं। इन चैलेंजेस का सामना करने के दौरान लीडरशिप और लाइफ की डिफरेंट स्किल सीखने को मिलती है। यह आपको लाइफ में स्ट्रांग बनाते है। जब भी लाइफ में स्ट्रगल का सामना करना पड़े तो यह समझना चाहिए की लाइफ में कुछ अच्छा आने वाला है। जब भी कोई मुझे रिजेक्ट करता है तो मुझे एक नए डीपी सिंह को ढूंढने का मौका देता है। मैंने हार नहीं मानी उन्होंने बताया कि कारगिल युद्ध में घायल होने के कई घंटे बाद मैं हास्पिटल पहुंचा था। यहां डॉक्टर्स ने मुझे मृत घोषित कर दिया।

मुख्यमंत्री श्री चौहान करेंगे मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान आज 17 जुलाई को समन्वय भवन में सुबह 10 बजे फसल गिरदावरी के मोबाइल एप संचालन के लिये मास्टर ट्रेनर्स के प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। यह एप खेती-किसानी के क्षेत्र में सूचना प्रौद्योगिकी के बेहतर इस्तेमाल में महत्वपूर्ण साबित होगा। साथ ही, किसानों को फसल बीमा का फायदा पहुँचाने, प्राकृतिक आपदा की स्थिति में नुकसान की भरपाई ओर बैंक ऋण लेने में मददगार होगा। उल्लेखनीय है कि फसल गिरदावरी प्रति वर्ष की जाने वाली एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है जो वर्ष में दो बार खरीफ एवं रबी सीजन की बुवाई के बाद की जाती है तथा भू-अभिलेखों में दर्ज की जाती है। इसके माध्यम से किसानों को फसलों की बोवाई, वृक्षारोपण आदि जानकारी मोबाइल पर उपलब्ध होगी। इस मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से पटवारियों को उनके गाँव के सभी भू-स्वामियों के सभी खसरों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी तथा उनके द्वारा कृषक से संपर्क कर लगाई गई फसल की जानकारी गाँव से ही भरी जा सकेगी।

निर्माणाधीन परियोजनाओं को समय सीमा में पूरा करें

भोपाल। नर्मदा घाटी में सिंचाई विस्तार के लिये वर्तमान में जो निर्माणाधीन परियोजनाओं को लक्षित समयावधि में पूरा करने के लिये सघन प्रयास किये जायें। इस बात का विशेष ध्यान रखा जाये कि परियोजना कमाण्ड क्षेत्र का कोई भी किसान सिंचाई लाभ से वंचित न रहे। यह बात नर्मदा घाटी विकास विभाग के राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार श्री लाल सिंह आर्य ने आज यहां नर्मदा भवन से परियोजना कार्यों की गहन समीक्षा के दौरान कही। श्री आर्य ने इंदिरा सागर, ओंकारेश्वर, मान, जोबट, पुनासा उद्वहन, अपरबेदा, लोअरगोई, रानी अवंती बाई सागर, बरगी व्यपवर्तन सहित नई स्वीकृत परियोजनाओं के निर्माण और संचालन की विस्तृत जानकारी ली। नर्मदा घाटी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष श्री रजनीश वैश ने परियोजनाओं के विभिन्न पक्षों की विस्तृत जानकारी देते हुये बताया कि वर्ष 2016-17 में परियोजनाओं से 5 लाख 50 हजार हेक्टेयर रकबे को जल उपलब्ध कराया गया। इसे जारी रखते हुये वर्ष 2017-18 में 6 लाख हेक्टेयर क्षेत्र सिंचित किया जायेगा। श्री वैश ने नर्मदा मालवा गम्भीर लिंक के 65 प्रतिशत तक पूर्ण हुये कार्यों की जानकारी देते हुये सरदार सरोवर विस्थापन और पुनर्वास कार्य की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया। बैठक में प्राधिकरण के सदस्य, मुख्य अभियन्तागण तथा पुनर्वास से संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

25 हजार सरकारी शालाओं में शाला सिद्धि प्रोत्साहन योजना शुरू

भोपाल। प्रदेश की सरकारी शालाओं में विद्यार्थियों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करने के मकसद से स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा शालाओं में 'हमारी शाला कैसी हों और शाला सिद्धि कार्यक्रम चलाये जा रहे है। राज्य शिक्षा केन्द्र ने इस कार्यक्रम में श्रेष्ठ कार्य को प्रोत्साहित करने के लिये इस वर्ष से शाला सिद्धि प्रोत्साहन योजना शुरू की है। अभी तक प्रदेश की 25 हजार शालाओं में शाला सिद्धि प्रोत्साहन योजना लागू कर दी गई है।

पुरस्कार प्रक्रिया के लिये समय सारणी तय की गई है। सारणी के अनुसार 22 जुलाई तक जिला कोर समिति द्वारा विकास खंड स्तर की चयन समिति का गठन किया जायेगा। शाला सिद्धि कार्यक्रम के लिये चयनित शालाओं द्वारा 28 जुलाई तक संकुल प्राचार्य को आवेदन दिये जायेगे। संकुल प्राचार्य द्वारा प्राप्त आवेदन विकासखंड कार्यालय को प्रेषित किये जायेंगे। विकासखंड चयन समिति तीन प्राथमिक और तीन माध्यमिक शालाओं के आवेदन पुरस्कार के लिये जिले की डाइट को भेजेंगे। विकासखंड स्तर पर चयनित शालाओं को जिला मुख्यालय पर 15 अगस्त को आयोजित किये जाने वाले स्वतंत्रता दिवस समारोह में पुरस्कार दिये जायेंगे। जिला स्तरीय कोर कमेटी तीन प्राथमिक और तीन माध्यमिक शालाओं का चयन करेंगे। इन्हें 5 सितम्बर को शिक्षक दिवस पर पुरस्कृत किया जायेगा। शाला सिद्धि प्रोत्साहन पुरस्कार योजना सरकारी शालाओं में कार्यरत शिक्षकों के कार्यों को मान्यता दिलाकर उनके मनोबल को बढ़ाने में मददगार साबित होगी। मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अन्तर्गत राष्ट्रीय शैक्षिक योजना एवं प्रशासन विश्वविद्यालय नई दिल्ली द्वारा सरकारी शालाओं के मूल्यांकन एवं सुधार के लिये फ्रेमवर्क शाला सिद्धि तैयार किया गया है।

ग्रामीण महिलायें बना रहीं हैं 3880 क्विंटल से अधिक अगरबत्ती हर माह

भोपाल। आजीविका मिशन के स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिला सदस्यों द्वारा अगरबत्ती का उत्पादन किया जा रहा है। घर बैठे किये जाने वाला यह काम उनकी अतिरिक्त आय का जरिया बन गया है। आजीविका गतिविधियों से जुड़कर महिलायें आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन द्वारा स्व-सहायता समूह सदस्यों को आजीविका के अवसर उपलब्ध कराने के लिए अन्य कार्यों के साथ-साथ अगरबत्ती बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। प्रदेश में 1896 महिलाओं द्वारा अगरबत्ती बनाने का कार्य किया जा रहा है। पैडल एवं ऑटोमेटिक मशीनों से प्रदेश में लगभग 90 क्विंटल प्रतिदिन अगरबत्ती का उत्पादन किया जा रहा है। प्रदेश के 24 जिलों के 154 ब्लॉक में 255 अगरबत्ती यूनिट संचालित है। प्रतिमाह लगभग 3880 क्विंटल अगरबत्ती का निर्माण हो रहा है। ग्रामीण क्षेत्र के निर्धन परिवारों की महिलाओं द्वारा बनाई जा रही यह अगरबत्ती, पैकिंग, खुशबू के मामले में बहुर्राष्ट्रीय कंपनियों से पीछे नहीं है।

पहल टेबलेट लेने पटवारियों को मिलेगी आवश्यक धनराशि

दस हजार पटवारियों की भर्ती होगी

भोपाल। किसानों के हित के लिये इस वर्ष से फसल गिरदावरी संबंधी जानकारी मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से संग्रहीत की जायेगी। इस मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से पटवारियों को उनके मोबाइल पर ही ग्राम के समस्त भूमि स्वामियों के सभी खसरों की जानकारी प्राप्त हो जायेगी। लगायी गयी फसल की जानकारी ग्राम से ही भरी जा सकेगी। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने समन्वय भवन में मोबाइल एप का शुभारंभ किया। श्री चौहान ने कहा कि राजस्व अमले की कमी पूरी करने के लिये जल्दी ही 10 हजार पटवारियों, 550 तहसीलदारों और 940 नायब तहसीलदारों की भर्ती की जायेगी। भर्ती प्रक्रिया पूरी करने के आदेश दे दिये गये हैं। उन्होंने राजस्व विभाग प्रमुख को पटवारियों की विभागीय पदोन्नति के संबंध में भी विचार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि राजस्व प्रशासन को प्रभावी बनाने के लिये युद्ध स्तर पर काम करने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री ने पटवारियों को सूचना प्रोद्योगिकी का उपयोग करने के लिये टेब खरीदने के लिये उनके खाते में आवश्यक राशि देने की घोषणा की। श्री चौहान ने कहा कि सरकार पूरी तरह से लोगों के प्रति जवाबदेह है। उन्होंने कहा कि बोनी के समय के आँकडों का शुद्ध रेकार्ड उपलब्ध रहेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य देने के लिये हर संभव कदम उठाये जा रहे हैं। किसानों को समर्थन मूल्य और बाजार मूल्य के अंतर के आधार पर आदर्श दर से भुगतान करने का नवाचारी प्रयोग भी किया जायेगा। मोबाइल एप से होने वाले लाभों की चर्चा करते हुए श्री चौहान ने कहा कि राजस्व विभाग का यह क्रांतिकारी कदम भविष्य में बदलाव लायेगा। पारंपरिक बस्ते से मुक्ति मिलेगी। उन्होंने एप संचालन के लिये एनआईसी का उपयोग करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि लोगों को राजस्व विभाग और इसके अमले से बहुत अपेक्षाएँ हैं।

क्या है फसल गिरदावरी: फसल गिरदावरी प्रतिवर्ष की जाने वाली एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। यह वर्ष में दो बार खरीफ और रबी सीजन की बुवाई के बाद की जाती है। इसे भू-अभिलेखों में दर्ज किया जाता है। यह कृषि सांख्यिकी एकत्रित करने की प्रक्रिया है। इसके आधार पर फसलों के क्षेत्रफल एवं उत्पादन संबंधी अनुमान की जानकारी तैयार की जाती है। कृषि वर्ष 1 जुलाई से प्रारंभ होकर 30 जून को समाप्त होता है। प्रथम खरीफ की फसलों तथा द्वितीय रबी की फसलों के आधार पर चालू वर्ष के खसरे में बोए गए क्षेत्रफल की फसल गिरदावरी के आधार पर दर्ज की जाती है। गिरदावरी जितनी सही और समय पर होगी, कृषि सांख्यिकी की पूरी तरह से विश्वसनीय रहेगी।

क्यों जरूरी है गिरदावरी : फसल गिरदावरी के आधार पर ही खरीफ और रबी फसलों के बोए गए रकबे के आँकड़े प्राप्त होते हैं। उस आधार पर प्रमुख फसलों के उत्पादन व उत्पादकता अनुमान तथा राज्य एवं देश की कृषि दर निर्धारित की जाती है। फसल गिरदावरी कार्य से ही फसल पूर्वानुमान लगाया जाता है, जिससे फसल गिरदावरी को राजस्व खसरे के रकबे के आधार पर सांख्यिकी कार्य के लिये जानकारी शासन को प्रेषित की जाती है। यह जानकारी कई मामलों जैसे फसल बीमा, प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान की भरपाई, बैंक ऋण, योजनाओं के लाभ लेने आदि में महत्वपूर्ण होती है।

मोबाईल एप्लीकेशन : इस मोबाइल एप्लीकेशन के माध्यम से पटवारियों को उनके मोबाइल पर ही ग्राम के समस्त भूमि स्वामियों के सभी खसरों की जानकारी प्राप्त हो जायेगी। जैसे ही भरी गयी जानकारी अपलोड की जायेगी, कृषक को उससे संबंधित खसरों में फसल गिरदावरी के अंतर्गत कौन सी जानकारी दर्ज की गयी है, यह सूचना एस.एम.एस. के माध्यम से भेजी जायेगी। इसमें एक पासकोड भी होगा। यदि कृषक, पटवारी द्वारा भरी गयी जानकारी से सहमत है, तो वह पासकोड पटवारी को बतायेगा। जब पटवारी द्वारा यह पासकोड एप्लीकेशन में डाला जायेगा तभी जानकारी को अंतिम माना जायेगा।

यदि किसी कृषक के पास कोई मोबाइल नंबर नहीं है तो वह अपने पड़ोसी का नंबर भी एस.एम.एस. प्राप्त करने में उपयोग कर सकेगा। फसल की जानकारी के साथ ही अन्य पड़त भूमि, भूमि में लगे वृक्ष, मकान आदि की जानकारी भी एप्लीकेशन के माध्यम से दर्ज की जा सकेगी। प्रमुख सचिव राजस्व श्री अरूण पांडे ने मोबाइल एप के बारे में जानकरी दी। इस अवसर पर कृषि उत्पादन आयुक्त श्री पी.सी. मीणा, प्रमुख सचिव कृषि डॉ. राजेश राजौरा, प्रमुख सचिव सहकारिता श्री अजीत केसरी उपस्थित थे। आयुक्त भू-अभिलेख श्री एन. के. अग्रवाल ने आभार माना।

प्रदेश में जीएसटी लागू होने के बाद रासायनिक उर्वरकों के मूल्य में कमी

भोपाल। प्रदेश में एक जुलाई, 2017 से वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) लागू होने के बाद रासायनिक उर्वरकों के मूल्यों में कमी आई है। रासायनिक उर्वरक डीएपी 10 रूपये 75 पैसे, यूरिया 6 रूपये, एनपीके 12:32:16 रूपये 20, एनपीके 10:26:26 पाँच रूपये, एमओपी 5 रूपये 38 पैसे और सिंगल बोरी फास्फेट के प्रति बोरी मूल्य पर 5 रूपये 14 पैसे की कमी आई है।

सम्पादकीय

मध्यप्रदेश में रोजाना बढ़ रहा है सिंचाई रकबा

भोपाल। देश के हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश में वर्ष 2003 में जहाँ सिर्फ सात लाख हेक्टेयर के आसपास संचित क्षेत्र था। वहीं जल संसाधन विभाग की ओर से इसे तीस लाख हेक्टेयर तक लाने की अहम उपलब्धि बीते दशक की खास घटना है। नर्मदा घाटी विकास, पंचायत और अन्य विभाग की योजनाओं से बढ़े सिंचाई रकबे की गणना अलग है। आने वाले वर्षों में मध्यप्रदेश में साठ लाख हेक्टेयर सिंचाई क्षमता देखने को मिलेगी। यह उपलब्धि वर्ष 2017 से दिखना प्रारंभ भी होने लगेगी। मध्यप्रदेश में प्रतिदिन सिंचाई क्षेत्र में वृद्धि हो रही है। इस दिन प्रतिदिन मिलती उपलब्धि से किसानों की आर्थिक दशा में तो सुधार हो ही रहा है, ग्रामीण और शहरी अर्थ-व्यवस्था में भी सकारात्मक बदलाव दिखाई देने लगा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'पर ड्राप मोर क्रॉप' के लक्ष्य को प्राप्त करने में मध्यप्रदेश अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस वर्ष से जल संसाधन विभाग के अमले ने नई ऊर्जा के साथ राज्य में कार्य प्रारंभ किया है। यह निर्विवाद तथ्य है कि मध्यप्रदेश सरकार ने विकास के जिन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया है उनमें सिंचाई प्रमुख है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने किसान वर्ग के लिए जहाँ बिना ब्याज के ऋण की व्यवस्था कर उन्हें आर्थिक बोझ से राहत प्रदान की वहीं प्रदेश में सिंचाई की सुविधाएँ बढ़ाकर किसानों को संपन्न बनाने का लक्ष्य भी तय किया गया। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जो कार्य बीते 11 वर्ष में शुरू हुए उससे किसान सीधे लाभान्वित हुए हैं। यही वजह है कि मध्यप्रदेश को लगातार चार साल कृषि कर्मण अवार्ड से भी नवाजा गया है। इन निरंतर मिले पुरस्कारों का प्रमुख आधार मध्यप्रदेश में सिंचाई क्षेत्र में लगातार की गई वृद्धि ही है। जल संसाधन विभाग का दायित्व है कि एकीकृत जल संसाधनों के विकास और प्रबंधन की व्यापक योजना बनाई जाए, नीति निर्धारित की जाए और जल के समन्वित उपयोग की व्यवस्था की जाए। इन सभी मोर्चों पर जल संसाधन महकमे ने कामयाबी प्राप्त की है। जहाँ पुरानी योजनाओं के कायाकल्प की आवश्यकता है वहाँ वैसी व्यवस्था करना और सहभागिता सिंचाई प्रबंधन के जरिये कृषकों की भागीदारी को बढ़ाने के लिए प्रयास करना प्राथमिकता रहा है।

बीते 11 वर्ष की उपलब्धियों की चर्चा की जाए तो इस अवधि में 7 वृहद, 12 मध्यम और 1618 लघु योजनाएँ पूरी की गई हैं। चम्बल मुख्य नहर प्रणाली विश्व बैंक की सहायता से किए गए लाईनिंग वर्क से इस वर्ष सिंचाई क्षमता 3 लाख5 हजार हेक्टेयर हो गई है। बाण सागर परियोजना से 1लाख 60 हजार हेक्टेयर और धार, झाबुआ जैसे आदिवासी बहुल इलाकों में माही परियोजना से 20 हजार हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में सिंचाई हो रही हैं। वास्तविक सिंचाई का प्रतिशत नहरों के विस्तारीकरण, संधारण और जल वितरण के अच्छे प्रबंधन से 37 से बढ़कर 80 प्रतिशत हो गया है। विश्व बैंक की सहायता से मध्यप्रदेश वाटर सेक्टर रीस्ट्रक्चरिंग प्रोजेक्ट में कार्य होने से एक दशक में ढाई लाख के स्थान पर करीब 6 लाख हेक्टेयर में सिंचाई हो रही हैं। प्रोजेक्ट से तीस जिलों की करीब सवा दौ सौ परियोजना को नई शक्ल मिली। उदाहरण के लिए ग्वालियर में चंबल परियोजना और हरसी नहर से किसान लाभान्वित होने लगे है। रबी फसलों की बात करें तो 13 वर्ष पहले निर्मित सैंच्य क्षेत्र 12 लाख 70 हजार हेक्टयर था, जो इस वर्ष बढ़कर 29 लाख 58 हजार हेक्टेयर हो चुका है। इस अवधि में वास्तविक सिंचाई का क्षेत्र भी 10 लाख 7 हजार से बढ़कर 27 लाख 50 हजार हेक्टेयर हो चुका है। नाबार्ड की सहायता से योजनाओं को पूरा करने के लिए निरंतर प्रयास हुए है। वर्ष 1995-2004 की अवधि में 1000.53 करोड़ लागत की 534 योजनाओं की मंजूरी हुई थी। यह दशक प्रगति की दृष्टि से आशाजनक नहीं था। लेकिन इसके बाद का दशक अर्थात वर्ष 2004 से 2015 के मध्य 2188 करोड़ रूपये के निवेश से 10 वृहद और मध्यम परियोजनाओं के कार्य तेजी से पूर्ण करने के प्रयास किए गए। यही वजह है कि इस कार्यों से 4 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई की सुविधा किसानों के चेहरे पर मुस्कान लाने का कार्य करेगी।

केन्द्रीय जल आयोग ने विश्व बैंक के सहयोग से 4 राज्य के 223 बाँध को सुदृढ़ बनाने की योजना बनाई थी। इसमें मध्यप्रदेश के 50 बाँध का चयन किया गया। वर्तमान में 12 बाँध के जीर्णोद्वार पर ध्यान दिया जा रहा है। मध्यप्रदेश में सूचना प्रौद्योगिकी साधनों को उपयोग भी जलाश्यों के जल स्तर की मानीटरिंग के लिए किया जा रहा है। एसएमएस बेस्ड व्यवस्था में विभागीय वेबसाइट पर जलाशयों में जल उपलब्धता को एक क्लिक के माध्यम से जाना जा सकता है। वर्ष 2003 के सिंचाई राजस्व वसूली के 33 करोड़ 07 लाख के आंकड़े को इस वर्ष 290 करोड़ 83 लाख तक पहुँचा दिया गया है। राजस्व वसूली के लक्ष्य को प्राप्त करने के प्रयास भी बढ़ाए गए हैं। गत दशक में जल उपभोक्ताओं की संख्या भी बढ़ी है। पहले जहाँ 1470 संथाएँ थी वहीं इनकी संख्या 2067 हो गई है। समस्त शासकीय और निजी स्त्रोतों से सिंचाई रकबे की बात करें तो इसमें भी प्रगति काफी उल्लेखनीय है। समस्त स्त्रोतों से राज्य में वर्ष 2003 में 48 लाख 99 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती थी जो आज 99 लाख 19 हजार हेक्टेयर में हो रही है। राज्य में शुद्ध बोए गये क्षेत्र में कुल सिंचित निर्मित क्षमता का प्रतिशत 6.33 से बढ़कर 17.95 हो गया है। परियोजनाओं पर 621 करोड़ के मुकाबले 5217 करोड़ रूपये की राशि खर्च की गई। कमांड क्षेत्र के विकास पर वर्ष 2003 में सिर्फ 6 करोड़ 21 लाख रूपये खर्च हुए थे। मार्च 2016 में यह खर्च 147 करोड़ तक पहुँचा है।

- पराग वराडपांडे

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर मध्यप्रदेश में उठाये गये कदम

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के विकास को नई दिशा और गति देने के लिये जो पहल की गयी हैं, उन पर मध्यप्रदेश सरकार द्वारा तत्परता से अमल किया गया है। फिर चाहे वह जन-धन योजना पर अमल हो या अन्य बीमा योजनाओं का क्रियान्वयन। स्वच्छ भारत अभियान में हिस्सेदारी हो या मेक इन इंडिया की तर्ज पर मेक इन मध्यप्रदेश की पहल। स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने इंदौर में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में मध्यप्रदेश द्वारा सबसे पहले रक्षा उत्पाद निवेश संवर्द्धन नीति बनाने की प्रशंसा की थी1 डिजिटल इंडिया के अनुक्रम में डिजिटल मध्यप्रदेश की अवधारणा को मूर्तरूप देने के लिये भोपाल और जबलपुर में इलेक्ट्रॉनिक मेन्युफेक्चरिंग कलस्टर का शिलान्यास होकर काम शुरू हो गया है। ई-मेल पॉलिसी बन गई है और गुड गवर्नेंस के क्षेत्र में आई.टी. का अधिकाधिक प्रयोग बढ़ाया जा रहा है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के क्षेत्र में भी प्रदेश पीछे नहीं है। इस क्षेत्र में तेजी से काम किया जा रहा है। कुल मिलाकर मध्यप्रदेश प्रधानमंत्री के हमकदम के रूप में देश के हमकदम है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना - वित्तीय समावेशन के लिये लागू प्रधानमंत्री जन-धन योजना का लक्ष्य पूरा करने वाले प्रदेशों में मध्यप्रदेश अग्रणी है। अब प्रदेश में हर परिवार का बैंक में कम से कम एक खाता है। प्रदेश में शासकीय योजनाओं में डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के काम को और आगे बढ़ाया जा रहा है। मध्यप्रदेश शासन द्वारा मनरेगा की मजदूरी तथा अन्य हितग्राही मूलक योजनाओं की राशि लाभान्वितों के खाते में पूर्व से ही सीधे जमा करवायी जा रही है। योजना में 49 लाख 47 हजार परिवार के कुल एक करोड़ 19 लाख 50 हजार खाते खोले गये। अब प्रदेश में कुल एक करो? 53 लाख 86 हजार परिवार के पास बैंक खाते हो गये हैं।

बीमा योजनाएँ - इस वर्ष 9 मई से भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति और अटल पेंशन योजना लागू की गयी है। देश की बढ़ी आबादी को सामाजिक सुरक्षा देने वाली इन योजनाओं का लाभ सभी पात्र लोगों को दिलवाने के लिये मध्यप्रदेश में अभियान चलाकर कार्य किया जा रहा है। अभियान की देख-रेख मंत्रि-परिषद के सदस्य कर रहे हैं। तीनों योजना में अभी तक एक करोड़ 6 लाख 34 हजार व्यक्ति लाभान्वित हो चुके हैं।

स्वच्छ भारत अभियान - प्रधानमंत्री के स्वच्छ भारत अभियान को मध्यप्रदेश में पूरी गंभीरता से लिया गया है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र की स्वच्छता के लिये अलग-अलग रणनीति बनायी गयी है। अक्टूबर, 2015 से पहले प्रदेश के सभी स्कूलों में शौचालय बनाने का लक्ष्य पूरा कर लिया जायेगा। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में जिन जोड़ों की शादी होती है, यदि उनके पास घर में शौचालय नहीं है, तो उन्हें शौचालय निर्माण के लिये अलग से 12 हजार रुपये देने की योजना शुरू की गयी है। यह पहल करने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है।

मध्यप्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में समुदाय की भागीदारी से स्वच्छता सुविधाओं की उपलब्धता एवं उपयोग सुनिश्चित किये जाने का अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के द्वारा 2 अक्टूबर 2019 तक सभी ग्राम पंचायत के परिवारों के घरों में स्वच्छ शौचालय की सुविधा उपलब्ध करवाते हुए उन्हें इसका उपयोग करने के लिये प्रेरित कर ग्रामीण क्षेत्र को खुले में शौच मुक्त बनाना तथा ग्रामों में ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन द्वारा उन्हें सम्पूर्ण रूप से स्वच्छ बनाने का लक्ष्य रखा गया है। उपलब्धियाँ - 5 लाख 59 हजार परिवार के घरों में व्यक्तिगत शौचालय का निर्माण। 1.58 लाख शौचालय निर्माणाधीन। 105 ग्राम पंचायत पूर्ण रूप से खुले में शौच से मुक्त हुई।

SAAP SOLUTION
Explore New Digital World
- All Types of Website Designing
  - Business Promotion, Lease Website
  - Industrial Product Promotion through industrialproduct.in
  - Get 2GB corporate mail account @ Rs 1500/- Per Annum per mail account with advance sharing feature
- Logo Designing by Experts
- Bulk SMS Services

For more details visit our website saapsolution.com
For enquires contact on 9425313619,
Email: info@saapsolution.com

चर्बी कम करने के लिए अपनाएं ये उपाय

आज के समय में ज्यादातर लोगों को बढ़े हुए पेट की शिकायत है. अनावश्यक चर्बी जब हमारी कमर के चारों ओर जम जाती है तो बेली फैट की स्थिति हो जाती है. इस अनावश्यक फैट के कारण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं हो जाती हैं.

इस अनावश्यक फैट के कारण कई बार मधुमेह और दिल का दौरा पड़ने की आशंका भी बढ़ जाती है. कई अध्ययनों में ये बात कही गई है कि बेली फैट कम करना कोई बहुत मुश्कश्ल काम नहीं है. खानापान में थोड़ा परिवर्तन और संयम बरतकर अगर आप चाहें तो बहुत आसानी से बेली फैट कम कर सकते हैं.

अगर आप वाकई वजन कम करना चाहते हैं तो सबसे पहले पिज्जा, केक और दूसरे फास्ट फूड से तौबा कर लीजिए. इन चीजों को छोड़ने के साथ ही अपनी डाइट में हरी चीजों को शामिल भी कीजिए. बेली फैट कम करने के लिए आप अपनी आदतों में ये उपाय भी शामिल कर सकते हैं- 1. अगर आप वाकई बेली फैट कम करना चाहते हैं तो सबसे पहले सॉफ्ट ड्रिंक और सोडा ड्रिंक पीना छोड़ दें. हाल में हुई एक रिसर्च के मुताबिक, प्रतिदिन एक गिलास सॉफ्ट ड्रिंक पीना आपकी कमर का साइज बढ़ा सकता है.

2. कुछ लोगों को हर समय कुछ न कुछ खाने की आदत होती है. हमारे खानपान के भी कई नियम-कानून होते हैं. ऐसे में जरूरी है कि हम उसी समय खाएं, जब हमें वाकई भूख महसूस हो. खानपान के नियमों को पालन करने से भी हम अपने बेली फैट को नियंत्रित कर सकते हैं.

3. शायद आपको यकीन नहीं हो लेकिन नियमित रूप से अखरोट खाने से वजन कम करने में मदद मिलती है. हर रोज अखरोट खाने से शरीर का अतिरिक्त फैट धीरे-धीरे कम होने लगता है. यह वजन करने का सबसे आसान तरीका है.

4. हरी बीन्स खाना भी वजन कम करने के लिए बहुत फायदेमंद है. इसमें सॉल्यूबल फाइबर भरपूर मात्रा में होते हैं जिससे बेली फैट कम करने में मदद मिलती है.

5. कॉफी के स्थान पर ग्रीन टी पीने की आदत भी आपको बेली फैट कम करने में मदद करेगी. इसके अलावा ग्रीन टी पीना स्वास्थ्य के लिहाज से कॉफी और चाय से बेहतर विकल्प है.

6. खाने का स्वाद बढ़ाने के लिए तो हम काली मिर्च का इस्तेमाल करते हैं लेकिन इसका इस्तेमाल बेली फैट कम करने भी किया जा सकता है.

लड़की के लिए खास होता है शादी के बाद का वह समय

भारत में शादियां किसी त्योहार से कम नहीं होती हैं. शादी को लेकर लड़की के मन में जहां नई उमंगें जन्म ले रही होती हैं वहीं उसके मन में कई तरह के संदेह भी उमड़ते-घुमड़ते रहते हैं. लड़की को कई तरह के रीति-रिवाज निभाने होते हैं. सात फेरों के बाद वह दूसरे के घर चली जाती है और यहीं से उसकी जिन्दगी की एक नई शुरुआत भी हो जाती है. हमारे देश में कहा जाता है कि जोड़ियां ऊपर से बनकर आती हैं. लेकिन एक नए घर में लड़की के लिए सब कुछ नया होता है. उसे बहुत सी चीजों को नए सिरे से संजोना होता है. बहुत सी चीजें ऐसी भी होती हैं जो उसके साथ पहली बार होती हैं. ये वो बातें हैं जिनसे ज्यादातर महिलाओं को गुजरना पड़ा है. ऐसे में अगर बहुत जल्दी आपकी शादी होने वाली है तो हो सकता है कि आपको भी इन बातों से दो-चार होना पड़ा. 1. जगने का समय - भले ही आप अपने घर में देर से सोकर उठती हों लेकिन इस नए घर में लोग आपसे जल्दी उठने की उम्मीद करते हैं. ज्यादातर लड़कियों के लिए सुबह जल्दी उठना एक बहुत बड़ी समस्या होती है।

गर्दन के पिछले हिस्से में होने वाले दर्द से राहत दिलाएंगे ये उपाय

आए दिन हम किसी न किसी प्रकार के दर्द से जूझते रहते हैं लेकिन गर्दन का दर्द एक ऐसा दर्द है जिससे ज्यादातर लोग परेशान हैं. खासतौर पर ऐसे लोग जिनका काम घंटों कुर्सी पर बैठने का है. हालांकि ये कोई गंभीर समस्या नहीं है लेकिन अगर इसे नजरअंदाज कर दिया गया तो भविष्य में ये गंभीर समस्या का रूप भी ले सकती है. गर्दन में अकड़ और दर्द के कारण - कई बार हमारी दिनचर्या भी गर्दन में दर्द का कारण बन जाती है. कोई पुरानी चोट भी इसकी वजह हो सकती है. इसके अलावा गलत तरीके से उठना-बैठना, लेटना या फिर बहुत मोटी तकिए का इस्तेमाल करना इस दर्द और अकड़ का कारण हो सकता है। इसके अलावा कई घंटों तक एक ही मुद्रा में बैठे रहने से भी गर्दन में दर्द हो सकता है. आपको आश्चर्य होगा कि कई बार तनाव होने की वजह से भी गर्दन में दर्द उठ जाता है.

आयुर्वेद व होमियोपैथी के अनुभवी डॉक्टरों द्वारा घर बैठे पायें उचित परामर्श व दवाईयां

आयुष समाधान

- सभी रोगों का अनुभवी डॉक्टरों द्वारा होमियोपैथी व आर्युवेद पद्धति से इलाज किया जाता है।
- रूपये 500/- से अधिक की दवाईयों पर निःशुल्क डिलेवरी
- किसी भी प्रकार की एलर्जी का इलाज किया जाता है।
- यौन रोगियों का सम्पूर्ण इलाज किया जाता है।
- रजिस्टर्ड डायटीशियन से वजन कम करने हेतु व अपने सही डाईट प्लान हेतु सम्पर्क करें

Email: info@ayushsamadhaan.com

www.ayushsamadhaan.com

FOR MORE DETAILS & BENIFITS VISIT OUR WEBSITE FOR REGISTRATION

क्यों पिछड़ जाते हैं छोटे कस्बों से आए युवा?

छोटे शहरों के युवाओं के पास बाहर निकलकर बड़े शहरों में रोज़गार खोजने के अलावा कोई चारा नहीं होता, लेकिन यह राह आसान नहीं है क्योंकि उनका मुकाबला बेहतर शिक्षा और महानगरीय माहौल में तराशे गए युवाओं से होता है। विशेषज्ञों से बातचीत करके हमने गहराई से जानने की कोशिश की कस्बाई युवाओं की समस्याएं और समाधान क्या हैं?

*सीमित सोच से घटता दायरा– छोटे शहरों के युवा प्रतिस्पर्धा में खुद को बनाए रखने के लिए कड़ी मेहनत तो करते हैं, लेकिन जानकारियों और दिलचस्पियों का उनका दायरा अपेक्षाकृत छोटा होता है। भारी प्रतिस्पर्धा वाले क्षेत्रों जैसे इंजीनियरिंग, मेडिकल और मैनेजमेंट के अलावा दूसरे क्षेत्रों में छोटे शहरों के नौजवानों का रुझान कम दिखता है। करियर के और क्या आप्शन हो सकते हैं, यह अक्सर उन्हें ठीक से पता नहीं होता।

* मार्गदर्शन की कमी – इस विषय में मुंबई में प्लेसमेंट कंसल्टेंसी चलाने वाले अभिषेक प्रधान कहते हैं, छोटे शहरों से आने वाले युवाओं में बड़ी संख्या में ऐसे युवा शामिल हैं, जिन्होंने परंपरागत कोर्स किए हैं, जहां उनकी काबिलियत के अनुसार सीमित अवसर हैं। इसके अलावा छोटे शहरों के लिए युवाओं को स्किल इम्प्रूवमेंट वाले कोर्स करते भी कम ही देखा जाता है।

*ज्ञान का सही उपयोग–बड़े शहरों के युवाओं का रुझान पारंपरिक रोजगार के साथ–साथ करियर के दूसरे ऑप्शन जैसे फैशन, रिसर्च, हॉस्पिटेलिटी, एविएशन, फॉरेन ट्रेड वगैरह की तरफ भी होता है।

भाषा बनी समस्या–हिन्दी भाषी क्षेत्र के युवाओं को भाषा की समस्या की वजह से कई बार निराशा हाथ लगती है, बड़ी कंपनियों में अंग्रेजी में ही काम होता है, अभ्यास न होने की वजह से कस्बाई युवा मुश्किलों का सामना करते हैं। ऐसा नहीं है कि हिंदी मीडियम के छात्र किसी मामले में कम हैं लेकिन जब बात कम्यूनिकेशन और अंग्रेजी से संबंधित दूसरी योग्यताओं की आती है तो ये पिछड़ जाते हैं।

अंग्रेजी में सक्षम : इस सवाल पर एक्स्पर्ट कहते हैं कि कंपनियों को हिन्दी भाषा से कोई समस्या नहीं है लेकिन उम्मीदवार में सामान्य अंग्रेजी लिखने–बोलने में सक्षम होना ही चाहिए। एक्स्पर्ट इसका समाधान बताते हैं कि छोटे शहरों के वे छात्र जो एमबीए या इंजीनियरिंग की डिग्री ले चुके हैं उन्हें इंटरव्यू से पहले सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग लेनी चाहिए। पर्सनैलिटी डेवलपमेंट और पब्लिक स्पीकिंग जैसे कोर्स मददगार साबित हो सकते हैं।

क्या होता है कंपनियों के चयन का आधार?

इस सवाल का जवाब हमने विशेषज्ञों से जानने की कोशिश की। आखिर क्यों कंपनियां छोटे शहरों के युवाओं में अपेक्षाकृत कम रुचि दिखाती हैं?

कुशलता की तलाश : बड़ी कंपनियों का रुझान बड़े शहरों के युवाओं की तरफ देखा जाता है, इसके कई कारण हैं। पहला यह कि अधिकतर बड़ी और स्थापित कंपनियां बड़े शहरों को अपना कार्यस्थल बनाती हैं। ऐसे में स्वाभाविक तौर पर उसी शहर में पले–बढ़े युवाओं का चयन सहज समझा जाता है। ऐसे युवा इन कंपनियों में आसानी से घुलमिल जाते हैं, भाषा, व्यवहार, और कल्चर की समस्या नहीं होती। कंपनियां साधारण तौर पर बड़े शहरों के युवाओं की काबलियत केवल डिग्री से नहीं, बल्कि जॉब में फिट होने की क्षमता के मुताबिक देखती हैं।

सफलता की कहानी इससे परे छोटे शहरों के युवाओं की सफलता की लंबी कहानी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। अगर गौर किया जाए तो नामचीन कंपनियों में काम करने वाला एक बड़ा हिस्सा छोटे शहरों के छात्रों का ही है। आईटी क्षेत्र के बड़े नाम जैसे टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, विप्रो, इंफोसिस और टेक महिंद्रा में छोटे शहरों के कर्मचारियों की संख्या बहुत ज्यादा है।

नौकरी मिलना होगी आसान क्योंकि..

जब हम जॉब की बात करते हैं तो कई ऑनलाइन वेबसाइट के नाम हमारी जुबां पर आ जाते हैं। लेकिन क्या आपने रोजगार केंद्रों का नाम सुना है। दरअसल जब इंटरनेट लोगों के बीच प्रचलित नहीं था तब सरकारी नौकरी पाने के लिए रोजगार केंद्रों में नाम दर्ज करवाना जरूरी समझा जाता था। लेकिन अब दुनिया कागजों से कम्प्यूटर में समा गई है। जिसकी वजह से रोजगार केंद्रों की प्रासंगिकता खत्म होती चली गई। लेकिन अब सरकार इन रोजगार केंद्रों को पुर्नजीवित करने के लिए तैयारी कर रही है। इसके लिए इन रोजगार केंद्रों को नैशनल पोर्टल के रूप में विकसित किया जाएगा। इस पोर्टल पर देशभर में नौकरी की जानकारी के साथ–साथ, इंटर्नशिप और कौशल निर्माण के कोर्सों की जानकारी मुहैया कराई जाएगी। श्रम मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले नैशनल करियर सर्विस पोर्टल के रोजगार केंद्रों में नई जान फूंकी जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 20 जुलाई को इंडियन लेबर कॉन्फ्रेंस इस पोर्टल का उद्घाटन करेंगे। । भारत में इस समय 982 रोजगार केंद्र हैं। पहले चरण में सरकार इनमें से 100 को आधुनिक बनाएगी।

क्यों है बेरोज़गार ग्रेजुएट्स की फौज?

देश की बढ़ती अर्थव्यवस्था के साथ ही रोज़गार के अवसर भी तेज़ी से बढ़े हैं। लेकिन विश्वविद्यालय जो ग्रेजुएट्स तैयार कर रहे हैं वो इंडस्ट्री की ज़रूरतों के अनुरूप नहीं हैं। हिन्दीभाषी राज्यों से हर साल लाखों ग्रेजुएट्स निकल रहे हैं, लेकिन इनमें से कुछ हज़ार ही टेक्निकल ग्रेजुएट्स होते हैं। एनसीईआरटी के वैज्ञानिक अवनीश पांडेय कहते हैं कि कंपनियों को स्किल्ड वर्कफोर्स चाहिए, जो अभी विश्वविद्यालय नहीं दे रहे। भारत की 400 कंपनियों पर किए गए एक रिक्रूटमेंट सर्वे का हवाला देते हुए पांडेय कहते हैं कि 97 फीसदी कंपनियां मानती हैं कि अर्थव्यवस्था बढ़ने के साथ रोज़गार के अवसरों में भी इज़ाफ़ा हुआ है, मगर उस अनुपात में अच्छे प्रोफेशनल्स नहीं मिल पा रहे हैं। सर्वे के मुताबिक 60 फीसदी ग्रेजुएट्स किसी भी समस्या को सुलझाने में सफल नहीं हो पाते, उन्हें अपने क्षेत्र की पूरी जानकारी भी नहीं होती।

कैसे तैयार होगा स्किल्ड वर्कफोर्स?

पांडेय कहते हैं कि विश्वविद्यालयों को परंपरागत ढर्रे को छोड़कर प्रैक्टिकल नॉलेज पर ज़ोर देना होगा। साथ ही इंटर्नशिप और लाइव ट्रेनिंग पर भी ध्यान देना होगा। वे कहते हैं, तकनीकी बदलावों को अपनाने के साथ ही छात्रों को डिबेट और डिस्कशन का प्रशिक्षण देना चाहिए । ताकि वे खुद को सही तरीके से पेश कर सकें।

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज़ (आईएमएस) के प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. अवनीश व्यास कहते हैं कि हकीकत में मेरिट का अच्छी नौकरी से ज्यादा लेना–देना नहीं हैं।

वे कहते हैं, सही प्लेसमेंट के लिए स्टूडेंट को मार्केट नॉलेज, संबंधित क्षेत्र की पूरी जानकारी, अर्थव्यवस्था की जानकारी, टीम भावना और मैनेजमेंट स्किल्स होनी चाहिए। कितना मेरिट, कितनी तैयारी: व्यास कहते हैं, कई बार देखने में आता है कि मेरिट वाले स्टूडेंट ज्यादा वक्त किताबों के साथ बिताते हैं जबकि एवरेज स्टूडेंट स्टडी के अतिरिक्त अन्य क्षेत्रों पर भी ध्यान देते हैं, इन खूबियों के कारण उन्हें अधिक नंबर लाने वाले छात्र के मुक़ाबले जल्दी प्लेसमेंट मिल जाता है। रिक्रूटमेंट पर पीएचडी कर चुके डॉ. व्यास कहते हैं कि प्लेसमेंट के लिए कंपनियां न आएं तो भी उनके संपर्क में रहना चाहिए।

वे बहुराष्ट्रीय कंपनी डिलॉइट की मिसाल देते हुए कहते हैं कि यह कंपनी सेंट्रल इंडिया के अंग्रेज़ी जानने वाले विद्यार्थियों को ज्यादा अहमियत देती है क्योंकि उसका मानना है कि यहां के प्रोफेशनल्स का उच्चारण अच्छा होता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के साथ कम्युनिकेशन में परेशानी नहीं होती।

PRACHI
MATHS & SCIENCE TUTORIAL
(RUN BY PRACHI HUNDAL Ma'am
TEACHING SINCE 1992)
Exclusively for
6th, 7th, 8th, 9th, 10th
CBSE/ICSE
OUR USP'S ARE
● Small Batch Size
● Maths in all the batches by Prachi Hundal Ma'am
● Science by Senior faculties
REGISTER YOURSELF TODAY
BATCHES FROM
3rd April
VENUE : 313-9B SAKET NAGAR, NEAR SPS, BEHIND BSNL OFFICE
M. 9406542737

शुक्र का राशि परिवर्तन, पढ़ें 12 राशियों पर असर

शुक्र ग्रह के राशि परिवर्तन के चलते लगभग सभी राशियों पर कुछ न कुछ प्रभाव पड़ना निश्चित है। वर्तमान में शुक्र के हस्त नक्षत्र में आने से कुछ राशियों पर आर्थिक भार प? सकता है। इसके लिए जातकों को चाहिए कि कष्ट से मुक्ति के लिए महालक्ष्मी को गोमतीचक्र चढ़ाएं।

मेष राशि के जातकों को कोई भी महत्वपूर्ण काम को अगले दो दिनों तक टालना चाहिए। अच्छी आर्थिक स्थिति बनी रहेगी। कार्य में नई योजनाओं का शुभारंभ होगा।

आपके लिए शुभ अंक 1, शुभ रंग मेहरून, शुभ दिशा पूर्व, शुभ समय दोपहर 01:30 से शाम 03:00 तक।

वृष राशि के जातकों की आर्थिक स्थति जस की तस रहेगी परंतु भविष्य के लिए धन निवेश लाभकारी है। अपने क्रोध पर काबू रखें अन्यथा नुकसान होगा।

आपके लिए शुभ अंक 7, शुभ रंग ग्रे, शुभ दिशा उत्तर-पूर्व, शुभ समय शाम 04:30 से सायं 06:00 तक।

मिथुन राशि के जातकों को अधिकारी सहयोग करेंगे। दिनचर्या व्यवस्थित रहेगी। नया कार्य प्रारंभ करेंगे। उत्साह बना रहेगा। वाणी पर काबू रखें अन्यथा जीवनसाथी से मतभेद हो सकता है।

आपके लिए शुभ अंक 6, शुभ रंग गुलाबी, शुभ दिशा दक्षिण-पूर्व, शुभ समय प्रात: 07:30 से प्रात: 09:00 तक।

कर्क राशि के जातकों को लाभदायी परिणाम मिलेंगे। कोई विशेष काम बनेगा। व्यवसाय में नए प्रस्ताव मिलेंगे। प्रेम प्रसंगों में निश्चित सफलता मिलेगी।

आपके लिए शुभ अंक 3, शुभ रंग पीला, शुभ दिशा उत्तर-पूर्व, शुभ समय प्रात: 09:00 से प्रात: 10:30 तक।

सिंह राशि के जातकों को आर्थिक सफलता मिलेगी। यात्राएं लाभकारी रहेगी। मित्रो से लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। संपत्ति के मामले पक्ष में होंगे।

आपके लिए शुभ अंक 2, शुभ रंग सफेद, शुभ दिशा उत्तर-पश्चिम, शुभ समय शाम 03:00 से शाम 04:30 तक।

कैसे होते हैं कुंडली में दुर्घटना योग...

हले अंक में हमने जानें अपना भविष्य पर चर्चा की थी। दूसरे अंक में हमने जाना कि ज्योतिष के आधार पर जातक के साथ होने वाली दुर्घटना का पूर्व समय का पता कैसे लगाया जा सकता है?

दुर्घटना योग जानिए

* 6ठा और 8वां भाव। षष्ठ भाव व अष्टमेश का स्वामी भी अशुभ ग्रहों के साथ।
* वाहन से दुर्घटना = शुक्र को देखना होगा।
* लोहा या मशीनरी से दुर्घटना = शनि को देखना होगा।
* आग या विस्फोटक से दुर्घटना = मंगल-शनि को देखना होगा।
* चौपायों से दुर्घटना = शनि।
* अकस्मात दुर्घटना के लिए = राहु।
* शनि-मंगल-केतु अष्टम भाव = वाहनादि से दुर्घटना के कारण चोट लगती है।

इस प्रकार कुंडली देखकर दुर्घटना के योग को जान सकते हैं और समय रहते यदि उचित कदम उठाएं तो कई बार अनहोनी से बचा भी जा सकता है।

कन्या राशि के जातकों को चाहिए कि वे ध्यान से रखें। परिजनों से विवाद हो सकता है। व्यापार में व्यावहारिक निर्णय लें। विद्धार्थियो के लिए सफलता व दापत्य जीवन में सुख मिलेगा।

आपके लिए शुभ अंक 6, शुभ रंग गुलाबी, शुभ दिशा दक्षिण-पूर्व, शुभ समय प्रात: 07:30 से प्रात: 09:00 तक।

तुला राशि के जातकों के आपसी रिश्तों में सुधार होगा। मित्र व निकट संबंधियों से मुलाकात होगी। मिलेंगे। धनलाभ के नए मार्ग खुलेंगे। कानूनी मामलों में सतर्क रहें।

आपके लिए शुभ अंक 7, शुभ रंग ग्रे, शुभ दिशा उत्तर-पूर्व, शुभ समय शाम 04:30 से सायं 06:00 तक।

वृश्चिक राशि के जातकों को सरकारी कामों में सफलता मिलेगी। नए काम की योजना बनेगी। धन वसूली होगी। पारिवारिक आयोजनों में व्यस्त रहेंगे।

आपके लिए शुभ अंक 1, शुभ रंग मेहरून, शुभ दिशा पूर्व, शुभ समय दिन में 01:30 से शाम 03:00 तक।

धनु राशि के जातकों को सावधानी से रहना होगा। लेनदेन का मामले उलझेंगे। मानहानि के योग हैं। पारिवारिक तनाव रहेगा। मानसिक निराशा रहेगी। गृह क्लेश का वातावरण रहेगा।

आपके लिए शुभ अंक 4, शुभ रंग नीला, शुभ दिशा दक्षिण-पश्चिम, शुभ समय दोपहर 12:00 से दिन में 01:30 तक।

मकर राशि के जातक मांगलिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। आर्थिक स्थति में सुधार होगा। रुके कार्य बनेंगे। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

आपके लिए शुभ अंक 9, शुभ रंग नारंगी, शुभ दिशा दक्षिण, शुभ समय प्रात: 10:30 से दोपहर 12:00 तक।

कुंभ राशि के जातकों को चाहिए कि कार्य में ध्यान रखें अन्यथा नुकसान होना तय है। आर्थिक लेनदेन में सावधानी बरतें। जोखिमपूर्ण सौदे नुकसान देंगे।

आपके लिए शुभ अंक 9, शुभ रंग नारंगी, शुभ दिशा दक्षिण, शुभ समय सुबह 10:30 से दोपहर 12:00 तक।

मीन राशि के जातकों को लाभ होगा। परंतु जोखिमपूर्ण कार्यों से बचना होगा। नए अवसर और लोगों से मुलाकात होगी।

आपके लिए शुभ अंक 4, शुभ रंग नीला, शुभ दिशा दक्षिण-पश्चिम, शुभ समय दोपहर 12:00 से दिन में 01:30 तक।

जानिए महान विदुषी सखी खना के बारे में

गणित में लीलावती का जिस सम्मान के साथ नाम लिया जाता है उसी तरह ज्योतिष में सखी खना का नाम बहुत प्रसिद्ध है। खना लंका द्वीप के एक ज्योतिषी की कन्या थीं। यह 7वीं-8वीं सदी की बात है। उज्जयिनी में महाराज विक्रमादित्य का राज्य था।

उनके दरबार में बड़े-बड़े कलाकार, कवि, पंडित, ज्योतिषी आदि विद्यमान थे। वराह ज्योतिषियों के अगुआ थे। उनकी गणना नवरत्नों में होती थी। इतिहासज्ञ वराहमिहिर के नाम से परिचित हैं। मिहिर वराह का लड़का था। मिहिर का जन्म होने पर वराह ने गणना कर देखा कि मिहिर की आयु केवल 10 साल की थी, परंतु यह उसकी भूल थी।

उसने गणना करते समय एक शून्य छोड़ दिया था, उसकी आयु 100 साल की थी। वराह ने उसे एक हांडी में बंद कर शिप्रा नदी में फेंक दिया। हांडी व्यापारियों ने हाथ लगी; उन्होंने उसे पाल-पोसकर बड़ा किया और काम में लगा दिया। मिहिर होनहार तो था ही, ज्योतिष विद्या उसकी पैतृक संपत्ति थी; वह घूमता-फिरता लंका में एक ज्योतिषी के घर पहुंचा। उसने ज्योतिष का अध्ययन किया। ज्योतिषी की कन्या से उसका विवाह हो गया, जो ज्योतिष में पारंगता थी।

कालांतर में उसने भारत यात्रा की। उज्जयिनी में भी आकर उसने वराह तक को परास्त किया। किसी तरह वराह को पता चल गया कि यह उसका ही पुत्र है।

अब ज्योतिष के कड़े से कड़े से कड़े प्रश्न हल हो जाया करते थे। कभी-कभी घर के भीतर बैठी खना ससुर को बड़ी से बड़ी भूल का ज्ञान करा देती थी। नगर वाले नहीं जानते थे कि मिहिर की पत्नी इतनी विदुषी है। वराह उनकी विद्वता पर मन ही मन कुढ़ता था। उसे यह बात कभी नहीं अच्छी लगती थी कि समय-समय पर मेरी गणना में भूल निकाला करे। खना को ऐसी-ऐसी गणनाएं आती थीं जिनका वराह या मिहिर को थोड़ी मात्रा में भी ज्ञान नहीं था। एक दिन राजा ने तारागणों के संबंध में वराह से कठिन प्रश्न किया। उसने मौका मांगा। संध्या समय घर लौटकर वह प्रश्न हल करने लगा, परंतु किसी प्रकार से मीमांसा न हुई। रात में भोजन करते समय बात की बात में खना ने उसे समझा दिया। वराह यह सोचकर प्रसन्न हुआ कि पुत्रवधू की विद्या से राजसभा में मेरा मान बना रहेगा। दूसरे दिन राजा ने हल की विधि पूछी। वराह को कहना ही पड़ा कि प्रश्न का हल खना ने किया है। राजा तथा सभा-सदस्य चकित हो उठे। राजा ने कहा- उसे आदर के साथ सभा में लाइए, हम और प्रश्न करेंगे। वराह को यह बात अच्छी न लगी।

इंग्लैंड के कुक ने सचिन सहित भारत-पाक के इन क्रिकेटरों को भी नहीं समझा इस लायक!

इंग्लैंड टीम के ओपनर एलिस्टर कुक को भारत दौरे में करारी हार के बाद कप्तानी छोड़नी पड़ी थी. हालांकि वह अब भी इंग्लैंड की टेस्ट टीम में हैं. उनकी टीम इस समय दक्षिण अफ्रीका के साथ टेस्ट क्रिकेट खेल रही है. इस बीच कुक ने अपनी बेस्ट टेस्ट टीम चुनी है. हालांकि कुक के सिलेक्शन पर कई सवाल खड़े हो गए हैं, क्योंकि उन्होंने टेस्ट क्रिकेट के कई दिग्गज खिलाड़ियों को अपनी टीम के लायक नहीं समझा है. चौंकाने वाली बात यह है कि सारी दुनिया में अपनी बल्लेबाजी का लोहा मनवा चुके भारत के महान बल्लेबाज मास्टर-ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर का नाम भी इसमें नहीं है. आइए जानते हैं कि एलिस्टर कुक ने अपनी ड्रीम टीम के लायक किन क्रिकेटरों को समझा है और किन खिलाड़ियों का रिकॉर्ड उनको प्रभावित नहीं कर सका...

सचिन के दोस्त को कर लिया शामिल...

कुक ने अपनी टीम का कप्तान ग्राहम गूच को चुना है, जबकि ओपनर के रूप में सचिन तेंदुलकर के दोस्त विंडीज के ब्रायन लारा को जगह दी है. उनके साथ उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू हेडन को रखा है.

गावस्कर को भी नकारा...

कुक ने न केवल सचिन बल्कि बिना हेलमेट ही दिग्गज तेज गेंदबाजों के सामने रनों का अंबार लगा चुके महान सुनील गावस्कर को भी टेस्ट टीम में नहीं लिया. इसके साथ ही उन्होंने पकिस्तान के महान ऑलराउंडर इमरान खान को भी नहीं रखा है.

डिविलियर्स पड़ गए भारी...

मध्यक्रम में उन्होंने चौथे नंबर पर 100 इंटरनेशनल सेंचुरी बना चुके सचिन तेंदुलकर की जगह दक्षिण अफ्रीका के 360 डिग्री प्लेयर एबी डिविलियर्स को लिया है. दूसरे नंबर पर रिकी पोन्टिंग हैं, जिन्हे राहुल द्रविड़ पर तरजीह दी गई है. तेज गेंदबाजी के

लिए कुक ने ऑस्ट्रेलिया के महान तेज गेंबाज ग्लेन मैक्ग्रा और इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन को लायक समझा है. स्पिन विभाग में मुथैया मुरलीधरन और शेन वॉर्न ने उनको प्रभावित किया.

सबसे ज्यादा हैं 'कंगारू' कुक की टीम पर नजर डालें, तो उन्होंने अपनी ड्रीम टीम में ऑस्ट्रेलिया के 4 क्रिकेटरों को जगह दी है, वहीं इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका से 2-2 खिलाड़ी लिए हैं. कुक की टेस्ट टीम इस प्रकार है: ग्राहम गूच (कप्तान), मैथ्यू हेडन, ब्रायन लारा, रिकी पोंटिंग, एबी डिविलियर्स, कुमार संगकारा, जैक कैलिस, मुथैया मुरलीधरन, शेन वॉर्न, जेम्स एंडरसन और ग्लेन मैक्ग्रा।

सट्टा बाजार की नजर में यह टीम जीत की दावेदार

लंदन। भारत और इंग्लैंड के बीच रविवार को ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर महिला विश्व कप का फाइनल खेला जाएगा। यह मुकाबला बेहद रोमांचक होने की उम्मीद है। मेजबान इंग्लैंड भले ही प्रारंभिक मैच में भारत से हार चुका है, लेकिन सट्टा बाजार के अनुसार इंग्लैंड ही विश्व कप जीतने का प्रबल दावेदार है। यूके की सट्टेबाजी कंपनी विलियम हिल के अनुसार इंग्लैंड के विश्व कप जीतने की संभावना 4/7 है जबकि भारत की उम्मीदें 11/8 है। लेडब्रक्स ने हीथर नाइट की इंग्लिश टीम का भाव 8/15 बताया जबकि मिताली के भारतीय शेरों के भाव 6/4 चल रहा है।

विलियम हिल और लेडब्रक्स के अनुसार सट्टा लगाने के मामले में महिला विश्व कप का यह संस्करण सबसे आगे रहा। विलियम हिल के प्रवक्ता रुपर्ट एडम के अनुसार सट्टा बाजार के मुताबिक इंग्लैंड फाइनल में जीत का प्रबल दावेदार है, क्योंकि यह टीम सामूहिक प्रयासों से आगे बढ़ रही है। मेजबान टीम एक या दो खिलाड़ियों पर निर्भर नहीं है और सभी खिलाड़ी जीत में योगदान दे रहे हैं। रविवार को होने वाला फाइनल महिला क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा मैच होगा। इस मुकाबले पर रिकॉर्ड राशि का सट्टा लगा है।

खंडवा में होगी सितौलिया की राष्ट्रीय स्पर्धा

खंडवा। मध्यप्रदेश स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा लगौरी (सितौलिया) की राष्ट्रीय स्पर्धा खंडवा में आयोजित की जाएगी। इसके संभाग, स्टेट और नेशनल टूर्नामेंट की मेजबानी खंडवा को मिली है। इसके साथ ही वॉलीबॉल और गर्ल्स क्रिकेट के राज्य स्तरीय क्रिकेट टूर्नामेंट भी खंडवा में होंगे। 21 से 25 सितंबर तक होने वाले स्टेट टूर्नामेंट के दौरान खंडवा में खेलों का मेला लगेगा। इस दौरान एक हजार से अधिक खिलाड़ी खंडवा पहुंचेंगे। दक्षिण भारत और महाराष्ट्र में प्रचलित खेल लगौरी (सितौलिया) को स्कूल के खेलों में शामिल किया गया है।

मौजूदा स्थिति में खंडवा जिले के एक भी स्कूल में लगौरी नहीं खिलाया जाता लेकिन संभाग से नेशनल तक के टूर्नामेंट खंडवा को मिलने के बाद अब स्कूलों में इस खेल का प्रशिक्षण शुरू किया जाएगा। जिला शिक्षा अधिकारी पीएस सोलंकी ने स्कूलों को निर्देश जारी किए हैं कि नए खेल का उत्साह से प्रशिक्षण दिया जाए। इसमें जिले के खिलाड़ी भी आगे बढ़ें। शालेय खेल अधिकारी आशा कटियार टूर्नामेंट के लिए स्कूलों के खेल शिक्षकों से चर्चा कर रही हैं। विकासखंड खेल अधिकारी पीडी डोंगरे ने बताया कि अगस्त के पहले सप्ताह से लगौरी का प्रशिक्षण दिया जाएगा। तीनों वर्गों में खिलाड़ियों की टीम बनाई जाएंगी।

1000 से अधिक खिलाड़ी आएंगे खंडवा: 21 से 25 सितंबर तक होने वाले स्टेट टूर्नामेंट में एक हजार से अधिक खिलाड़ी खंडवा आएंगे। यहां गर्ल्स क्रिकेट में अंडर 17, वॉलीबॉल में गर्ल्स व बॉयज वर्ग के अंडर 17 और लगौरी के तीनों वर्गों के टूर्नामेंट खंडवा में होंगे।

क्या है लगौरी खेल : लगौरी खेल निमोर्चा और पिट्ठू के नाम से भी प्रचलित है। इसमें पत्थरों से बनी श्रृंखला को एक टीम के खिलाड़ी बॉल मारकर गिराते हैं, वहीं दूसरी टीम उन्हें वापस श्रृंखला बनाने से रोकते हैं। अधिक से अधिक बार श्रृंखला बनाने वाली टीम को पॉइंट मिलते हैं।

SWATI
Tution Classes
Don't waste time Rush
Immediately for
Coming Session 2017-2018
Personalized
Tution
up to
7th Class
for
All Subjets
Special Classes
for
Sanskrit
Contact: Swati Tution Classes
Sagar Premium Tower, D-Block, Flat No. 007
Mobile : 9425313620, 9425313619

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक : पराग वराडपांडे द्वारा महर्षि प्रिंटर्स प्रा.लि. प्लाट नं. 23-24 पर्मिला भवन, इन्द्रा प्रेस काम्प्लेक्स, एम.पी. नगर, जोन-1, भोपाल - म. प्र से मुद्रित कराकर, प्लाट नं. -12, सेक्टर-ए, परस्पर सोसायटी चूनाभट्टी, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित। सम्पादक: पराग वराडपांडे, मो. 9826051505, आर.एन.आई. नं. **MPHIN/2015/66655, editor@trikaldrishti.com** (विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।)